



ट्रेन में दीदी की तूफानी चुदाई

“मेरी बड़ी बहन चंडीगढ़ में पढती है. एक बार मैं और वो रात की ट्रेन से दिल्ली आ रहे थे. वो मेरी गाँड में सर रख कर सो गयी. तो उसके बाद क्या हुआ ? पढ़ कर आनन्द लें. ...”

Story By: (rockysharmanew)

Posted: Thursday, April 18th, 2019

Categories: भाई बहन

Online version: [ट्रेन में दीदी की तूफानी चुदाई](#)

ट्रेन में दीदी की तूफानी चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम राकेश उर्फ रॉकी है. मैं दिल्ली में रहता हूँ. मेरे घर में मेरे मम्मी पापा और मेरी बड़ी बहन रूबी है. मेरी उम्र 28 वर्ष है. मेरी बहन इस समय 30 वर्ष की है. यह घटना आज से लगभग 10 साल पहले की है. बहुत हिम्मत करके आप सब को यह कहानी भेज रहा हूँ. कृपया अपने विचार मुझे rockysharmanew1198@rediffmail.com पर जरूर भेजें.

मेरी बहन रूबी दिखने में एकदम मस्त माल दिखती है. उसका गोल गोल भरा हुआ बदन और एकदम गोरा रंग है. मेरी बहन के मम्मों का साइज़ अभी 40 का है. उस समय लगभग 36 का रहा होगा. उसकी गांड को छिपाए हुए उसके मस्त चूतड़ एकदम गोल-गोल थे.

खैर उस समय रूबी घर से दूर एक चंडीगढ़ में हॉस्टल में रह कर कॉलेज में पढ़ती थी और मैंने अपने 12 वीं की परीक्षा दे रखी थी. कुछ दिन बाद बहन के एग्जाम भी पूरे हो चुके थे, तो मम्मी ने कहा- जाओ, अपनी दीदी को घर ले आओ.

मैं अपनी बहन को लेने उसके हॉस्टल चला गया. अगले दिन शाम को हमारी ट्रेन 7 बजे थी. हमारी बर्थ कन्फर्म नहीं थी, परन्तु हम दोनों स्टेशन आ गए और मैंने टीटी को 200 रुपये देकर स्लीपर कोच में एक बर्थ कन्फर्म करवा ली.

हम दोनों जाकर सीट पर बैठ गए और ट्रेन चल पड़ी. करीब 9 बजे हमें नींद आने लगी. हमने बैग से कम्बल निकाला और ओढ़ लिया. टीटीई ने मुझे बताया था कि आगे जाकर सीट कन्फर्म हो जाएगी, शायद किसी स्टेशन पर बहुत सारी सवारियां उतरने वाली थीं.

जिस कम्पार्टमेंट में हम दोनों थे, उसमें एक बूढ़े लोगों का बड़ा समूह यात्रा कर रहा था. उन सभी को आगे आने वाले किसी स्टेशन पर उतरना था, जिस वजह से उन सभी ने शाम से

ही अपने बिस्तर जमा लिए थे और वे सब सो गए थे.

कुछ देर बाद रूबी ने भी मुझे से कहा- भाई मुझे नींद आ रही है.

मैंने कहा- ठीक है ... तुम सो जाओ.

वो बर्थ पर लेट गयी और वो अपना सिर मेरी गोद में रखकर लेट गयी. मैं खिड़की के सहारे बैठा था और रूबी आराम से मेरी गोद में सिर रखकर सो रही थी.

एक घंटे बाद लगभग सभी लाइटें बंद हो गईं ... तो मुझे भी नींद आने लगी. तभी एकदम से मेरी दीदी ने करवट बदली और अपना मुँह मेरी तरफ कर दिया, जिससे उसकी गर्म सांसों मेरी पेंट की जिप से होकर मेरे लौड़े को छू रही थीं. अचानक से मेरे दिल में एक कंपकपी सी छूट गयी. उसकी गर्म सांसों की वजह से मेरे लौड़े का साइज़ बढ़ने लगा और कुछ ही देर में मेरा लौड़ा पूरे जोश में आ गया. मैं जितना रोकने की कोशिश करता, यह उतना ही ज्यादा जोश मारता. मेरा लौड़ा अब उसके मुँह और होंठों को टच कर रहा था.

तभी दीदी ने अचानक से अपना हाथ मेरे लौड़े पर रख दिया. मैं एकदम से घबरा गया.

लेकिन थोड़ी देर तक उसने कुछ नहीं किया, तो मुझे लगा कि वह सो रही है.

ट्रेन तेज़ गति से आगे बढ़ रही थी, उससे भी तेज़ मेरी धड़कन चल रही थी. फिर मैंने थोड़ी हिम्मत करके उसकी कमर पर हाथ रख दिया.

‘आहूहूह ...’ उसकी कमर छूते ही जैसे मुझे करंट लगा. कितनी मस्त थी यार ... क्या बताऊं. फिर मैंने उसकी टी-शर्ट को थोड़ा खिसका कर अन्दर हाथ डाल दिया और उसकी कमर को धीरे-धीरे सहलाने लगा. मेरा लौड़ा और ज्यादा कड़क हो गया था. फिर मैंने अपने लौड़े पर रूबी के मुँह का दबाव महसूस किया. उसकी सांसों भी बहुत तेज़ी से चल रही थीं.

तब मुझे लगा कि शायद वो जाग रही है और उसको भी मजा आ रहा है. इससे मेरी

हिम्मत और बढ़ गयी और मैंने उसकी पूरी कमर पर हाथ फेरना चालू कर दिया.
फिर मैंने उसकी बगल के नीचे से उसके मम्मों को पहली बार छुआ.
इस्स्स ... आअह्ह ... क्या अहसास था वो. उसके मुलायम दूधिया मोटे मोटे चुचे थे.

मैं पूरे जोश में आ गया और उसके मम्मों को जोर जोर से दबाने लगा. वह एकदम से कसमसा उठी.
पहले तो मैं घबरा गया और मैंने अपना हाथ हटा लिया. फिर मैंने धीरे से महसूस किया कि उसने मेरी ज़िप खोल दी और अंडरवियर को हटा दिया. मेरा लौड़ा एकदम से फनफनाता हुआ बाहर आ गया था. उसने लपककर मेरे लंड पर एक किस जड़ दी. मेरा जोश का ठिकाना न रहा.

अब हम दोनों भूल चुके थे कि हम दोनों सगे भाई-बहन हैं. मैंने तुरंत उसकी टी-शर्ट ऊपर करके उसकी ब्रा को खोल दिया और उसके मोटे मोटे मम्मों को मसलना शुरू कर दिया.

फिर मैंने भी एक हाथ से उसकी जीन्स का हुक खोलकर उसकी पैंटी में हाथ डाल दिया. उसकी चूत एकदम क्लीन शेव थी. उसकी चिकनी चूत को छूते ही उसने पानी छोड़ दिया.

मैंने इधर उधर देखा, सब लोग गहरी नींद में सो रहे थे और हम दोनों भाई बहन एक दूसरे को चूसने में मस्त थे. हमने कम्बल को ठीक से ओढ़ लिया और रूबी अब मेरे लौड़े को जोर जोर से चूसने लगी थी. मेरे लंड के सुपारे को आगे पीछे करके जोर जोर से लंड चूस रही थी. मेरी जोर जोर से सिसकारियां निकल रही थीं.

तभी बीच में एक स्टेशन आ गया और ट्रेन से बहुत सारी सवारियां उतर गईं. हमारा कम्पार्टमेंट लगभग खाली हो चुका था. जिधर हम दोनों लेटे थे, उधर तो एक भी सवारी नहीं रह गई थी.

ट्रेन फिर से चल पड़ी और हम दोनों फिर से शुरू हो गए. अब मैदान भी साफ़ था और कोई हमें देखने वाला भी नहीं था. मैंने बेखौफ़ उसकी जीन्स और पैंटी पूरी उतार दी और उसके ऊपर चढ़ गया. ऊपर से कम्बल ओढ़ा हुआ था. हम दोनों किस करने लगे.

‘आहूह उहूह ... उम्म ...’ क्या मस्त अहसास था वो ... शायद हम दोनों का पहला अहसास था.

अब हम दोनों पूरे नंगे हो चुके थे. मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे लौड़े द्वारा चुदने वाली पहली चूत मेरी सगी बहन की ही होगी.

रूबी मेरे नीचे थी और मैं उसके ऊपर चढ़ा था. अपनी छाती से मैं उसके मोटे मोटे मम्मों को रगड़ रहा था और मेरा 8 इंच का भारी भरकम लौड़ा उसकी चिकनी चूत पर टच हो रहा था. हम दोनों से रहा नहीं जा रहा था.

उसने धीरे से मेरे कान में कहा- भाई, अब लंड अन्दर डाल दो.

मैं उसके मुँह से लंड डालने की बात बहुत ज्यादा जोश में आ गया और अंधेरे में ही तीर चला दिया. परन्तु निशाना चूक गया और मेरा लौड़ा फिसल कर नीचे चला गया. मैंने दुबारा फिर से कोशिश की, परन्तु नाकाम रहा. उसने अपनी टांगें पूरी खोल दीं. मैंने तीसरी बार फिर से प्रयास किया, परन्तु उसकी चूत इतनी टाईट थी कि मेरा लौड़ा अन्दर नहीं जा रहा था.

उसने मेरी तरफ सवाल भरी निगाहों से देखा ... तो मैंने कहा जानेमन मैं सोच रहा था कि आराम से काम हो जाए, पर अब लगता है जोर लगाना पड़ेगा.

उसने कहा- तो लगा न चूतिये ... रोका किसने है.

मेरी बहन के मुँह से ये शब्द सुनकर मैं चौंक गया और ज्यादा जोश में भी आ गया. हम

दोनों उठकर बैठ गए. मैंने उसको इशारा किया और वो तुरंत मेरी गोदी में आकर बैठ गयी उसने अपनी चूत मेरे लौड़े पर टिकाई और जोर लगाया, परन्तु लौड़ा अन्दर नहीं जा रहा था.

मैंने उसको कंधों को पकड़ा और थोड़ा ऊपर उठा कर कहा- पूरा जोर लगाकर गिरना. उसने वैसा ही किया और हम दोनों के संयुक्त प्रयास से मेरे लंड का सुपारा उसकी चूत को चीरता हुआ अन्दर घुस गया.

अआह्ह्ह ... वह जोर से चिल्लाने को हुई, मैंने उसके मुँह पर हाथ रख दिया. मेरी बहन दर्द से छटपटा उठी. उसकी आंखों से आंसू बह निकले. ये आंसू हमारे प्यार के आंसू थे.

अब मैं उसको किस करने लगा और उसके बूब्स चूसने लगा, जिससे उसका दर्द कुछ कम हुआ. फिर मैंने थोड़ा नीचे सरकते हुए एक जोरदार झटका मारा.

‘ऊउईइ माँ ... मर गई ...’ उसकी आह निकली और मेरी बहन की चूत से खून रिसने लगा.

आह दोस्तो ... क्या बताऊं उस समय की मेरी फीलिंग्स.

फिर मैंने एक और जोरदार धक्का मारकर अपना 8 इंच का लौड़ा उसकी चूत की गहराई में उतार दिया. वो दर्द के मारे छटपटाने और रोने लगी. लेकिन मैंने उसकी चीखों पर कोई ध्यान नहीं दिया, बस उसके दूध मसलता रहा.

अब मैं धीरे धीरे उसको चोदने लगा.

‘अआह उम्मह... अहह... हय... याह... उफ अआह स्स्स.’

कुछ देर बाद उसे भी मजा आने लगा और हम दोनों जोर जोर से चोदन में लग गए. हमारे आस-पास की सभी सीटें खाली थीं, तो हमें कोई डर नहीं था.

अब हमने अपना कम्बल भी उतार दिया. उस टाइम हम दोनों ने पहली बार एक दूसरे के बदन को देखा. उसकी हसीन नंगी जवानी को देख कर मेरी आआहूहूह निकल गई. अब मैं अपनी रूबी दीदी को जोर जोर से चोदने लगा था. ट्रेन की स्पीड के साथ-साथ मेरी स्पीड भी बढ़ती जा रही थी.

फिर मैंने उसको बर्थ पर घोड़ी बनाया और पीछे से उसकी चूत में अपना लम्बा मोटा लौड़ा डाल कर चोदने लगा.

आ:ह आआह हूहह ...

हम दोनों भाई बहन पूरे जोश में लगभग 20 मिनट तक चोदने में लगे रहे और हम दोनों एक साथ ही झड़ गए.

उस रात फिर मैंने अपनी रूबी दीदी को 2 बार और चोदा और उसके बाद घर पर भी जब हमें मौका मिलता, मैं उसको जोरदार तरीके से चोद देता.

अब से 2 साल पहले उसकी शादी हो गयी. शादी से पहली रात भी मैंने उसकी चुदाई की. परन्तु शादी के बाद मेरी दीदी ने चुदाई से मना कर दिया.

दो साल बाद भी उसको कोई बच्चा नहीं हुआ, तो एक दिन वह मेरे पास आकर रोने लगी और मुझे बताया कि वह अपने पति से संतुष्ट नहीं है.

अब मैं इस असमंजस में हूँ कि मुझे क्या करना चाहिए ? क्या शादी के बाद यह सब ठीक है ? प्लीज मुझे मेरी मेल आई डी पर बताइएगा जरूर.

rockysharmanew1198@rediffmail.com

आपको मेरी कहानी कैसी लगी जरूर बताना.

Other stories you may be interested in

बांके जवान दोस्त से पहली बार गांड मराई

मेरे प्यारे दोस्तों और अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा नमस्कार. मेरा नाम नक्श कुमार है और मैं हरियाणा में रहता हूँ. मैं एक का आम सा दिखने वाला शहरी लड़का हूँ. रंग गेहुआ, कद साढ़े पांच फुट है. दोस्तो, [...]

[Full Story >>>](#)

कमसिन स्कूल गर्ल की व्याकुल चूत-2

बस उस दिन के बाद अपने घर पर मेरा ये लगभग रोज का ही नियम बन गया कि मैं रात में बिस्तर में नंगी हो जाती और अपनी टांगें ऊपर उठा कर घुटने मोड़ लेती और एक उंगली से अपनी [...]

[Full Story >>>](#)

मार्च 2019 की बेस्ट लोकप्रिय कहानियाँ

प्रिय अन्तर्वासना पाठको मार्च 2019 प्रकाशित हिंदी सेक्स स्टोरीज में से पाठकों की पसंद की पांच बेस्ट सेक्स कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं... जवान लड़की के पहले चुम्बन का अहसास मेरी बारहवीं के एग्जाम खत्म हो गए थे, मम्मी और [...]

[Full Story >>>](#)

कमसिन स्कूल गर्ल की व्याकुल चूत-1

मेरे प्यारे अन्तर्वासना के पाठको, आज कई महीनों बाद आप सब को संबोधित कर रहा हूँ. मेरी पिछली कहानी कमसिन कम्मो की स्मार्ट चूत जो लगभग 6 महीने पहले प्रकाशित हुई थी, उसके बाद से कुछ नया लिखने का संयोग [...]

[Full Story >>>](#)

भाई को नंगा बदन दिखा कर चुदाई के लिए पटाया

दोस्तो, मेरा नाम अमीषा है. मैं अन्तर्वासना की एक नियमित पाठिका हूँ. मुझे यहां लिखी हुई सारी सेक्स स्टोरी बहुत पसंद हैं. अब मैं आपको अपने बारे में बता दूँ. मैं एक बहुत ही सेक्सी लड़की हूँ. मुझे लंड से [...]

[Full Story >>>](#)

